भारत सरकार
Government of India

इस्पात मंत्रालय
का
आउटपुट-आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क

Output-Outcome Monitoring Framework
of
Ministry of Steel
2026-27

1. भारत में विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
380	1 प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली पात्र कंपनियां	1.1. वित्त वर्ष में प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली पात्र फर्मों की संख्या	25	1. विशेष इस्पात क्षेत्र में निवेश में वृद्धि	1.1. वित्त वर्ष में विशेष इस्पात में निवेश की गई राशि (भारतीय करोड़ रु. में)।	5500
	2 विशेष इस्पात के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना	2.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित कंपनियों द्वारा विशेष इस्पात का उत्पादन (हजार टन में)	3213			
		2.2 वित्त वर्ष में निर्दिष्ट न्यूनतम सीमा से अधिक विशेष इस्पात के उत्पादन में % वृद्धि	#			
	3 विशेष इस्पात की बिक्री में सुधार	3.1. वित्त वर्ष में विशेष इस्पात की बिक्री में % वृद्धि	#	2. प्रत्यक्ष रोजगार सृजन में वृद्धि	2.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित कंपनियों द्वारा व्यक्तियों (प्रत्यक्ष रोजगार) की संख्या।	2436

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में न्यूनतम सीमा से अधिक उत्पादन वृद्धि और विशेष इस्पात की बिक्री में वृद्धि का निर्धारण इस स्तर पर नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, प्रोत्साहन केवल निर्धारित उत्पादन तक ही सीमित हैं।

2. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ मे)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
6	1. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) से संबंधित चलाई गई परियोजनाएं	1.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	10	1. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से नवीन और ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 इस योजना के अंतर्गत वित्तपोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से प्रदान किए गए पेटेंटों की संख्या	1
		1.2 वित्त वर्ष में पूरी की गयी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	5		1.2 योजना के अंतर्गत वित्तपोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से आवेदित पेटेंटों की संख्या	1
					1.3 लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से विकसित नई प्रणालियों की संख्या	2
					1.4 लौह एवं इस्पात उद्योग द्वारा वाणिज्यिकृत/अपनाई गई परियोजनाओं की संख्या	1

3. इस्पात मंत्रालय के तहत सीपीएसई द्वारा भारत में मर्चेंट पोतों की फ्लैगिंग के लिए संवर्धन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
7	1. सब्सिडी के प्रावधान के माध्यम से सरकारी कार्गो के आयात में भारतीय वाणिज्यिक पोतों का सवंर्धन	1.1. वित्त वर्ष में भारत में फ्लैग्ड वाणिज्यिक पोतों की संख्या।	18	1. भारत में वाणिज्यिक पोतों की फ्लैगिंग में वृद्धि	1.1. फ्लैग्ड पोतों की संख्या की प्रतिशत में वृद्धि	#
		1.2. वाणिज्यिक पोतों की फ्लैगिंग के लिए वित्त वर्ष में दी जाने वाली सब्सिडी की राशि (भारतीय करोड़ रु. में)	7	2. विदेशी पोत-परिवहन-कंपनियों को किए जाने वाले विदेशी मुद्रा विनिमय खर्च में कमी	2.1. वित्त वर्ष में व्यय विदेशी मुद्रा विनिमय पर व्यय में प्रतिशत कमी।	*

#- वर्ष 2025-26 में, भारत में 18 जहाजों के पंजीकृत होने की उम्मीद है। वर्ष 2026-27 के लिए भी यही लक्ष्य है: 18 जहाज। तदनुसार, पंजीकृत जहाजों की संख्या में अपेक्षित प्रतिशत वृद्धि शून्य है।

* वित्त वर्ष 2026-27 में विदेशी मुद्रा व्यय में ₹7 करोड़ की कमी होने की उम्मीद है। प्रतिशत का निर्धारण नहीं किया जा सकता।